

प्रेस विज्ञप्ति

40 साल बाद जामिया को मिली पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग स्थापित करने की मंजूरी

नई दिल्ली, 01 जुलाई 2025,

लगभग चार दशकों के बाद जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग स्थापित करने के लिए तैयार है, जिसके लिए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने विश्वविद्यालय में 06 शिक्षण पदों को मंजूरी दी है। यह एक उल्लेखनीय विस्तार है, क्योंकि 1985 से जेएमआई स्थायी संकाय सदस्यों के बिना बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस (बी. लिब. आई.एस.सी.) पाठ्यक्रम चला रहा है, और इन संकाय पदों की मंजूरी से इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम में नई ऊर्जा और जीवंतता आएगी।

जेएमआई के कुलपति प्रो. मजहर आसिफ और रजिस्ट्रार प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी ने भारत के माननीय प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री, वित्त मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिन्होंने पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग स्थापित करने के जेएमआई के प्रस्ताव को अपना पूर्ण समर्थन और स्वीकृति दी। उन्होंने कहा कि इस विस्तार को संभव बनाने में उनका भरपूर सहयोग महत्वपूर्ण रहा है, जिससे विश्वविद्यालय की शैक्षणिक कार्यक्रमों में बढ़ोतरी होगी और यह पुस्तकालय विज्ञान के महत्वपूर्ण और निरंतर बढ़ते अनुशासन को आगे बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा।

इसके अलावा, प्रो. आसिफ और प्रो. रिज़वी ने पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के महत्वपूर्ण क्षेत्र में वर्तमान शिक्षण और कौशल प्रसार में इस बड़े विस्तार के लिए जेएमआई बिरादरी को बधाई दी।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर अपनी खुशी और संतुष्टि व्यक्त करते हुए, प्रो. आसिफ ने कहा, "परिसर में शैक्षणिक जीवन की आधारशिला होने के नाते, पुस्तकालय अनुसंधान की दिशा को आकार देते हैं और विशेष रूप से सूचना युग में ज्ञान को आगे बढ़ाने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। मेरा दृष्टिकोण पुस्तकालय विज्ञान का एक पूर्ण विभाग स्थापित करके पुस्तकालयाध्यक्षता और सूचना विज्ञान में शिक्षण को सुदृढ़ करना है, ताकि अगली पीढ़ी के उच्च कुशल और विद्वान पुस्तकालयाध्यक्षों को प्रशिक्षित किया जा सके, जो पुस्तकों, दुर्लभ पांडुलिपियों और पत्रिकाओं के हमारे समृद्ध संग्रह के साथ न्याय कर सकें, साथ ही डिजिटल परिवेश में प्रासंगिक और अत्याधुनिक बने रहने के लिए आधुनिक तकनीकों को अपना सकें। इस प्रस्तावित विभाग के संकाय और छात्र न केवल भारतीय ज्ञान प्रणालियों (आईकेएस) के अध्ययन को आगे बढ़ाने में योगदान देंगे, बल्कि भविष्य के लिए इसके डिजिटलीकरण और संरक्षण में भी योगदान देंगे।"

जामिया के रजिस्ट्रार प्रो. रिज़वी ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा, "पुस्तकालय किसी विश्वविद्यालय के केंद्र बिंदु के रूप में कार्य करते हैं और उनका अत्यधिक महत्व है, खासकर ऐसे समय में जब दुनिया तेजी से तकनीकी प्रगति देख रही है। भविष्य के लिए ज्ञान और सूचना को कैसे संग्रहित, संरक्षित और व्यवस्थित किया जाएगा, इस पर इसके दूरगामी प्रभाव होंगे। इस उद्देश्य के लिए यह आवश्यक है कि हम अपने छात्रों और शोधकर्ताओं को उपकरण, स्किल सेट, सैद्धांतिक समझ और व्यावहारिक अंतर्दृष्टि से प्रशिक्षित और सुसज्जित करें ताकि जेएमआई पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के पाठ्यक्रम में अग्रणी के रूप में उभर सके। जेएमआई इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में अतिथि संकाय और संविदा कर्मचारियों की मदद से सीमित शिक्षण प्रदान कर रहा है। शिक्षण संकाय को जोड़ने के साथ, जेएमआई जल्द ही ऐसे पाठ्यक्रम पेश करेगा जो डेटा-संचालित दुनिया में समकालीन मुद्दों और चुनौतियों को संबोधित करेंगे।"

यह ध्यान देने योग्य है कि यह विकास 105 साल पुराने विश्वविद्यालय को और अधिक समृद्ध करेगा, जिसका केंद्रीय पुस्तकालय 1920 में ही स्थापित किया गया था, जोकि इसकी स्थापना का वर्ष था।

प्रोफेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी